आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 03 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 59

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

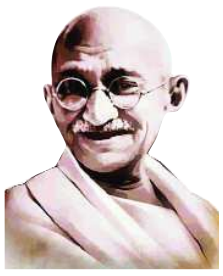

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

बादल छाए, कई इलाकों में हुई बूंदा-बांदी

पेज-2

डबल रोल निभा रहीं गुरलीन चोपड़ा

पेज-5

नहीं सुधर रहे इंदौर के लोग...

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- श्रेयस अय्यर 6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे, सीरीज से पहले फिटनेस साबित करने का मौका
- महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव : महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए
- अमेरिका के खिलाफ यूएन पहुंचा ईरान
- मेक्सिको में 6.5 तीव्रता का भूकंप, दो लोगों की मौत
- वक्फ ट्रिब्यूनल में डेटा अपलोड करने की अंतिम तारीख आज
- धर्मस्थल सामूहिक दफन मामले में एसआईटी रिपोर्ट पर आज कोर्ट का फैसला संभव
- 200 करोड़ की वसूली केस में चंद्रशेखर की समझौता याचिका पर आज सुनवाई
- असम के गायक जुबीन गर्ग हत्याकांड में ट्रायल की सुनवाई आज कामरूप जिला अदालत में

चलते-चलते...

क्षितिज सिंघल इंदौर के नए निगम कमिश्नर बने

अपने आपको सिरमौर समझने वाले आयुक्त नपे, अहंकारी और अंगद निलंबित

भागीरथपुरा दूषित जलकांड : 15 लोगों की मौत, 32 आईसीयू में, 200 अभी भी अस्पताल में भर्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे साफ और स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई। शौचालय मिश्रित पानी पीने के कारण बीमार पड़े लोगों में से 200 अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 32 आईसीयू में हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने इंदौर के नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को पद से हटा दिया और अतिरिक्त आयुक्त रोहित सिसोनिया को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई इंदौर के भगीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुई त्रासदी के मामले में सरकार की पहली बड़ी कार्रवाई है। इस घटना में 29 दिसंबर से लोग बीमार पड़ने लगे थे। स्थानीय लोगों ने इसके खिलाफ स्थानीय प्रशासन से शिकायत भी की थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई न होने से कई परिवार उजड़ गए।

भागीरथपुरा क्षेत्र में पानी की सप्लाई दूषित होने के कारण डायरिया और पेट से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलीं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक इस बीमारी से चार लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना को गंभीर लापरवाही मानते हुए इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को हटाने का आदेश दिया। साथ ही अतिरिक्त नगर आयुक्त रोहित सिसोनिया और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी

विभाग के प्रभारी अधीक्षण अभियंता संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने साफ कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दूसरी तरफ, इस मामले में दायर जनहित याचिका पर सरकार ने हाई कोर्ट में 40 पन्नों की स्टेटस रिपोर्ट पेश की है। सरकार ने अदालत को बताया कि हालात अब नियंत्रण में हैं और नए मामलों में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं हो रही । साथ ही मिनट-टू-मिनट निगरानी की व्यवस्था लागू की गई है।

सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, अब तक कुल 294 मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीजों का सफल इलाज कर उन्हें छुट्टी दे दी गई है। बाकी 200 मरीजों में से 32 अभी भी आईसीयू में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सभी मरीजों को जरूरी इलाज दिया जा रहा है। जमीनी स्तर पर जिला प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं। इन टीमों का उद्देश्य नए मरीजों की पहचान करना और बीमारी को फैलने से रोकना है। लोगों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां मुफ्त बांटी जा रही हैं ताकि लक्षण गंभीर न हों।

इंदौर का यह जल संकट सिर्फ एक स्वास्थ्य आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही, राजनीतिक संवेदनशीलता और बुनियादी सुविधाओं की सच्चाई को उजागर करने वाला मामला बन गया है। आने वाले दिनों में जांच और कार्रवाई से यह साफ होगा कि दोषियों को कितनी सख्त सजा मिलती है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता-राज्य सरकार ने माना कि किसी भी राशि से इंसानी जान की भरपाई नहीं हो सकती, फिर भी तात्कालिक राहत के तौर पर मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी गई है। इसे शुरुआती सहायता बताया गया है। सरकार ने 30 दिसंबर को निर्देश जारी कर सभी निजी अस्पतालों को प्रभावित मरीजों का पूरी तरह मुफ्त इलाज करने को कहा। इसमें जांच, दवाइयां और भर्ती सभी शामिल हैं। किसी भी मरीज को भर्ती से इनकार नहीं किया जा सकता है। निजी अस्पतालों का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। सरकार ने बताया कि पीड़ितों को बिना मदद के छोड़े जाने का आरोप गलत है।

(विस्तृत समाचार पृष्ठ 6 पर)

मध्य प्रदेश कुशासन का केंद्र बन गया है- राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर मध्य प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बन गया है, जहां कभी नकली खांसी की दवा, कभी अस्पतालों की गंदगी और अब दूषित पानी से मौतें हो रही हैं।

मोहन सरकार को पीड़ितों से माफी मांगनी चाहिए- उमा भारती

बीजेपी की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी ही सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस घटना को 'पाप' बताते हुए दोषियों को ऊपर से नीचे तक कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए परीक्षा की घड़ी है और सरकार को पीड़ितों से माफी मांगनी चाहिए।

स्वच्छता का मतलब सिर्फ कचरा प्रबंधन नहीं - शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि शहर की स्वच्छता को केवल कचरा प्रबंधन तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसमें पीने के पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा होने दिया गया, खासकर तब जब इंदौर को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में राष्ट्रीय पहचान मिली थी।

प्रदेश अध्यक्ष की पहल पर हुई थी सत्ता और संगठन के समन्वय की शुरूआत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पहल पर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में शुरू हुई राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं की दैनिक जन सुनवाई व्यवस्था बिखरती नजर आ रही है। इस व्यवस्था के सुचारू संचालन में जहां मंत्रियों ने आना बंद कर दिया है तो कार्यकर्ता भी रुचि नहीं ले रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रदेशभर से राजधानी पहुंचने वाले कार्यकर्ताओं से संवाद और उनकी समस्याएं सुनने के लिए सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार) राज्य सरकार के दो-दो विभागों के मंत्रियों के प्रदेश भाजपा कार्यालय में दोपहर एक से तीन बजे तक दो घंटे उपस्थित रहने की व्यवस्था 1 दिसम्बर 2025 से शुरू हुई थी। इसी दिन से मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी शुरू हुआ था, इस कारण एक सप्ताह तक यह व्यवस्था पूरी तरह सुचारू और नियमित चली। पहले दिन एक दिसम्बर को उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राज्यमंत्री

जन-सुनवाई में नजर नहीं आ रही कार्यकर्ताओं की रुचि

पार्टी कार्यालय में मंत्रियों द्वारा कार्यकर्ताओं की सुनवाई के लिए निर्धारित दो घंटे का समय अधिक और कार्यकर्ता कम नजर आ रहे हैं। ज्यादातर कार्यकर्ता अपनी व्यक्तिगत शिकायतें, परेशानी और आवेदन लेकर पहुंचते हैं, जबकि पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि कार्यकर्ता अपने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंत्रियों की जन-सुनवाई में पहुंचेंगे। इसलिए कार्यकर्ता भी बहुत सीमित संख्या में ही पहुंच रहे हैं। अब तक की जन-सुनवाई में अधिकांश मंत्रियों ने शुरूआती आधे घंटे में ज्यादातर कार्यकर्ताओं को सुना, शेष समय पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों से अनौपचारिक चर्चा करते नजर आए।

गौतम टेटवाल ने पार्टी कार्यालय में उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद 2 दिसंबर को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और मंत्री दिलीप अहिरवार, 3 दिसंबर बुधवार को खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और लखन पटेल, 4 दिसंबर को नगरीय प्रशासन

मंत्री पहले दो से एक फिर एक भी गायब

पार्टी व्यवस्था के अनुसार राज्य सरकार के एक कैबिनेट और एक राज्यमंत्री को पार्टी कार्यालय की जनसुनवाई व्यवस्था में बैठना था। सप्ताहभर बाद हुई सुनवाई में सिर्फ एक-एक मंत्री नजर आए, अंतिम सुनवाई विगत 30 दिसम्बर, सोमवार को सिर्फ राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने की थी। इससे पहले भी सोमवार से शुक्रवार के बीच मंत्री जनसुनवाई के लिए नहीं पहुंचे। 8-9 दिसम्बर को खजुराहो में विभागीय समीक्षा एवं मंत्रि-परिषद की बैठक के चलते पार्टी कार्यालय में मंत्री उपस्थित नहीं रह सके थे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और श्रीमती प्रतिमा बागरी तथा 5 दिसंबर शुक्रवार को जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह और नरेन्द्र शिवाजी पटेल द्वारा सुनवाई पूर्व से घोषित कार्यक्रम के अनुसार की। विधानसभा सत्र की समाप्ति के बाद यह व्यवस्था धीरे-धीरे कमजोर नजर आ रही है।

एयरपोर्ट पर नई सुविधाओं वाला नया साल

नया टर्मिनल से लेकर कई सुविधाएं मिलेंगी, नई फ्लाइट भी होगी शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर नए साल में यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेंगी, जिसमें सबसे प्रमुख एयरपोर्ट का फिर से 24 घंटे खुला रहना है। इसके अलावा पुराने टर्मिनल का फिर से संचालन में आना भी एक बड़ा बदलाव रहेगा। इसके अलावा नई उड़ानें और पार्किंग की समस्या से भी निदान इस साल मिल जाएगा।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार 2026 में संचालन और यात्री अनुभव दोनों में बड़ा बदलाव दिखेगा। हमारा रनवे की मरम्मत का काम जो देरी से चल रहा है, वह फरवरी के अंत तक खत्म हो जाएगा। इसके बाद एयरपोर्ट फिर से 24 घंटे खुला रहेगा, जिससे उड़ानें बढ़ जाएंगी। अभी एयरपोर्ट रात को आठ घंटे बंद रहता है जिससे उड़ानें कम हो गई हैं, लेकिन इसके बाद भी इंदौर एयरपोर्ट ने बीते साल नए रिकॉर्ड बनाए हैं। प्रबंधन का कहना है कि बीता साल रिकॉर्ड बनाकर गया है। एयरपोर्ट ने वर्ष 2025 में यात्री संख्या के मामले में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। जनवरी से दिसंबर के बीच 43 लाख 96 हजार 611 यात्रियों ने हवाई सफर किया जो पिछले वर्ष से 5.35 लाख अधिक है। यह एयरपोर्ट के 88 वर्षों के इतिहास में पहली बार है जब यात्री संख्या 40 लाख के पार पहुंची। 2025 में एयरपोर्ट से 32,558 उड़ानों का संचालन हुआ, जबकि 2024 में यह संख्या 30,917 थी।

माघ मेला शुरु... श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज । आज से माघ मेला की शुरुआत हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में डुबकी लगाई। यह मेला आगामी 15 फरवरी तक चलेगा।

समस्या कंपनियों की गलती का ठीकरा फूट रहा उपभोक्ताओं पर

बिजली चोरी और लाइन लॉस कम करने में मप्र नाकाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में बिजली चोरी और लाइन लॉस ऐसी समस्या बन गया है, जिससे निपटने में बिजली कंपनियां नाकाम हो रही हैं। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी बिजली कंपनी के अफसर लाइन लॉस रोकने में नाकाम साबित हुए हैं। इसकी भरपाई के लिए ही हर साल बिजली की दरें बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर भार डाला जा रहा है। गौरतलब है कि मप्र में नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों को बिजली चोरी और लाइन लॉस रोकने का कई बार निर्देश दिया है। वहीं सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं चलाई है, कई सक्षत कदम भी उठाए हैं। इसके बाद भी हालात में सुधार नहीं हुआ है।

गौरतलब है कि मप्र सरकार ने बिजली चोरी, केबल चोरी और बिजली कर्मचारियों पर हमलों की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में पहली बार बिजली थाने खोले जा रहे हैं। पहले चरण में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में ये थाने शुरू होंगे। यहां तैनात पुलिस टीम मौके पर जाकर औचक निरीक्षण करेगी, एफआईआर दर्ज करेगी और केस

डायरी भी तैयार करेगी। ये थाने गुजरात के मॉडल पर बनाए जाएंगे। हाल ही में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और बिजली कंपनी के प्रतिनिधि मंडल ने गुजरात जाकर वहां की व्यवस्था का निरीक्षण किया था। अब सवाल उठ रहा है कि क्या इससे बिजली चोरी कम हो पाएगी।

अभी तक के सारे प्रयास विफल

मप्र में बिजली चोरी और बिजली लॉस को कम करने और रोकने के लिए सरकार ने अभी तक जो प्रयास किए हैं वे सारे विफल रहे हैं। जानकारी के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार ने मध्य, पूर्व व पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों को 11 सालों में 2.41 लाख करोड़ रुपए बिजली चोरी और लाइन लॉस रोकने को दी। तब भी जिम्मेदार अफसर इतनी बड़ी राशि से बिजली व्यवस्थाओं को हाईटेक नहीं कर पाए। नतीजा एग्रीगेट टेक्नीकल और कमर्शियल लॉस (एटी एंड सी लॉस) बढ़ता ही जा रहा है। कटौती, ट्रिपिंग जैसी घटनाएं रुकी नहीं। बदमाश सिस्टम तोडकर चोरी कर रहे हैं। इस कारण कंपनियां इस नुकसान की भरपाई हर साल टैरिफ बढ़ा कर रही हैं। इसका सीधा असर प्रदेश के 1.75 करोड़ आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। इन कंपनियों ने इस बार भी नुकसान का ठीकरा उपभोक्ताओं पर फोडने की तैयारी है। विद्युत नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों की मंशानुसार, नुकसान को आधार बनाते हुए टैरिफ की दरों में 10.2 प्रतिशत तक बढ़ाने की पेशकस की है।

न्यूज ब्रीफ

फर्जी ज्वैलरी दुकान खोलकर 50 लाख की ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सराफा पुलिस ने सोना ठगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 40 लाख रुपये कीमती सोना बरामद किया गया है। आरोपियों ने ठगी के लिए सराफा में बाकायदा दुकान खोली और सुनार से 50 लाख का सोना मंगवाया। बाद में रुपये देने के बहाने पिछले दरवाजे से फरार हो गए। पुलिस मुख्य आरोपू को तलाश रही है। सराफा पुलिस ने 28 नवंबर को सुनार मुकेश अग्रवाल की शिकायत पर शांतिलाल के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। सुदामा नगर निवासी मुकेश की केसर कॉम्पलेक्स में एमएम ब्रजवासी के नाम से सोना चांदी की दुकान है। पुलिस के अनुसार शांतिलाल ने मुकेश से संपर्क कर व्यापार की चर्चा की। इसके पहले उसने मोरसली गली में बाकायदा एक दुकान खोली और दिखावे के लिए सोना चांदी के आभूषण और तोल कांटा भी रख लिया। शांतिलाल ने 370 ग्राम सोने का सौदा दिया और कहा कि वह अपने कर्मचारी को दुकान पर भेज दें। मुकेश ने कर्मचारी हरेराम और वरुण को सोना लेकर मोरसली गली भेज दिया। शांतिलाल ने सोना तिजोरी में रख कर रुपये लाने का बोला और पिछले दरवाजे से निकल गया।

अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही में एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश इंदौर पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए हैं। इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा 29 दिसंबर को गिरफ्तार आरोपी भूपेंद्र से मिली जानकारी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया जो कि मादक पदार्थ अन्य जिलों से खरीदकर इंदौर शहर में सप्लायरों को उपलब्ध करवाता था। प्रकरण में पूर्व में आरोपी से 13.82 ग्राम अवैध मादक पदार्थ 'ब्राउन शुगर बरामद की गई थी जिसकी अगली कड़ी में पूछताछ करते आरोपी राजा उर्फ राजकुमार सिसौदिया की जानकारी मिली जो कि घटना दिनांक से फरार था। जिसे चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया एवं जिससे 13 ग्राम ब्राउन शुगर मौके से जब्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

रेसीडेंसी क्षेत्र की सभी जमीन सरकारी घोषित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्षों से लंबित पड़ी रेसीडेंसी क्षेत्र की भूमि को लेकर नक्शा अभियान के तहत किए जा रहे सर्वे में पूरे क्षेत्र की जमीनों को सरकारी घोषित कर दिया गया है। नजूल मद में सरकारी दर्ज करने के बाद प्रशासन द्वारा प्रथम प्रकाशन जारी कर दिया गया है। अखबारों के माध्यम से सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करने के साथ कलेक्टर कार्यालय व क्षेत्र में नोटिस चस्पा किया गया है। अब संबंधित भूमि पर दावे-आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए 12 जनवरी तक सुनवाई की जाएगी। लंबे समय से सर्वेक्षण और दस्तावेजों की कमी के कारण उलझी प्रक्रिया एक बार फिर रफ्तार पकड़ चुकी है।

रेसीडेंसी क्षेत्र का समुचित सर्वेक्षण नहीं होने के कारण प्रशासन और निजी धारकों में विवाद की स्थितियां निर्मित हो रही थीं। रेसीडेंसी क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों सहित धार कोठी, रतलाम कोठी, पिपलौदा व नारायण कोठी को लेकर भूमि स्वामी दर्ज करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा चुकी है। प्रथम प्रकाशन कर पूरी जमीन को सरकारी दर्ज किया गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2024 में ड्रोन के माध्यम से क्षेत्र का सर्वेक्षण कर नक्शा तैयार किया गया, जिसके बाद उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण भी किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 में शासन ने इस क्षेत्र को नजूल भूमि घोषित कर दिया था।

बादल छाए, कई इलाकों में हुई बूंदा-बांदी, देवी-देवताओं को गर्म कपड़े पहनाए

मौसम ने फिर किया पलटवार, बर्फीली हवाओं से शहर ठिठुरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कल शाम को अचानक मौसम ने करवट ली और बर्फीली हवाओं ने शहर के लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। सूरज ढलते ही हवाएं इतनी ठंडी थी कि लोगों जल्दी घरों में पहुंच गए। कई लोग अलाव जलाकर तो कोई हीटर से ठंड से राहत पाता नजर आया। गुरुवार-शुक्रवार रात को पारा चढ़कर काफी दिनों बाद प्लस में पहुंच गया था। एक ही रात में इसमें लगभग 4 डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई। काफी समय बाद पारा सामान्य से अधिक दर्ज हुआ और यह 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। जबकि एक रात पहले यह 8.7 डिग्री दर्ज हुआ था। मौसम

विभाग के अनुसार बादलों के कारण रात के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं बादलों ने दिन के तापमान को 2 डिग्री से ज्यादा गिरा दिया। दिन का अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम था। जबकि गुरुवार को यह 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। शुक्रवार शाम को सूरज ढलते ही मौसम ने करवट ली और कोहरा छाने लगा। बादलों के कारण कई जगह बूंदा-बांदी भी होने के समाचार मिले है। आगामी दिनों में अब इंदौर में भी कोहरी की चादर दिखाई दे सकती है। साथ ही बारिश के भी पूरे आसार है। बारिश के साथ ठंड अब इस माह लोगों को परेशान करेगी। शहर के प्रमुख मंदिरों में देवी देवताओं को गर्म कपड़े पहनाए गए।

पहली बार माइनस 1.1 डिग्री पर पहुंचा था, 91 साल पहले माइनस में गया था तापमान

शहर में जनवरी में ही ठंड का ज्यादा असर देखने को मिलता है। जनवरी में ही इंदौर के इतिहास का सबसे कम तापमान भी दर्ज हो चुका है। अब से 91 साल पहले 16 जनवरी 1935 को इंदौर में तापमान गिरकर पहली बार माइनस 1.1 डिग्री पर पहुंच गया था और इंदौर में जमकर कश्मीर बन गया था। मौसम विभाग के मुताबिक ऐसा नहीं है कि जनवरी हमेशा ठंडा ही रहता है, 35 साल पहले 27 जनवरी 1990 को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री पर पहुंचा था, जबकि जनवरी माह में सामान्य रुप से तापमान 26 से 28 डिग्री बीच ही रहता है। जनवरी में ठंड और गर्मी के साथ बारिश भी देखी जाती है। अब से 106 साल पहले 1920 में इंदौर में 4.1 इंच बारिश हुई थी। इसी साल 6 जनवरी को एक ही दिन में 3.2 इंच बारिश हुई थी, जो जनवरी के इतिहास में 24 घंटे में दर्ज सर्वाधिक बारिश भी है।

100 साल पुराना शास्त्री ब्रिज बनेगा नया आरएनटी मार्ग पर भी उतरेगी भुजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के हृदय स्थल के रूप में पहचाने जाने वाले रीगल तिराहे पर अब नया रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसकी एक भुजा आरएनटी मार्ग पर भी उतरेगी। महात्मा गांधी की प्रतिमा के सर्कल को तोडक़र नया बनाया जाएगा। इस पुल के नीचे स्थित पानी और ड्रेनेज की लाइन की शिफ्टिंग का काम इंदौर नगर निगम करेगा। पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नया पुल एक साइड का बनाओ, उस पर यातायात शुरू करो, फिर दूसरी साइड का तोड़ा जाए।

गांधी हॉल से रीगल तिराहा को जोडऩे वाला शास्त्री पुल 100 साल से ज्यादा पुराना हो गया है। अब इस पुल को तोडक़र नया और बड़ा पुल बनाने का रास्ता साफ होता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम रेलवे द्वारा इस पुल के स्थान पर दूसरा पुल बनाने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। इस बारे में हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन पूर्व सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के निवास पर किया गया। इस बैठक में रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर अंकुरसिंह, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम तथा पश्चिम रेलवे के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में रेलवे विशेषज्ञ नागेश नामजोशी भी शामिल थे। इस बैठक में रेलवे की ओर से बताया गया कि शास्त्री ब्रिज का नया निर्माण करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले में इस रेलवे ओवरब्रिज की ऊंचाई को बढ़ाया जाएगा। रेलवे को अपनी रेल सेवा के संचालन के लिए इस ब्रिज की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता है। रेलवे इस पुल की ऊंचाई को 5 मीटर बढ़ाना चाहता है। जब ऊंचाई बढ़ाई जाएगी तो फिर लंबाई भी बढ़ाना जरूरी हो गया है। अभी जो प्राथमिक रूप से योजना तैयार की गई है उसके अनुसार यह ब्रिज संभाग आयुक्त कार्यालय के पास से शुरू होगा और रीगल तिराहा पर गांधी प्रतिमा के आगे जाकर समाप्त होगा।

इस योजना पर जब चर्चा की गई तो एक सुझाव यह आया कि इस पुल को इस तरह से बनाया जाए, जिससे इसकी एक भुजा आरएनटी मार्ग की तरफ उतारी जाए। इसके लिए आवश्यकता हो तो पुल की लंबाई को बढ़ाकर गांधी प्रतिमा के आगे ले जाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में पुल का निर्माण करने के लिए पुल को तोडऩे के बारे में भी चर्चा हुई। इस चर्चा में सुमित्रा महाजन ने कहा कि यह पुल इंदौर की लाइफ लाइन है। इसे पूरा तोडक़र कई महीने के लिए इस रास्ते को बंद नहीं किया जा सकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि एक साइड की पुल की भुजा का पूरा निर्माण कर लिया जाए और उस पर यातायात शुरू कर दिया जाए, उसके बाद में पुल की दूसरी साइड की भुजा को तोड़ा जाए। इस मामले में सबसे बड़ी समस्या पुल के नीचे मौजूद पानी और ड्रेनेज की लाइन की शिफ्टिंग की रही। इंदौर नगर निगम का कहना था कि रेलवे द्वारा लाइन शिफ्टिंग का खर्चा उठाया जाए, जबकि रेलवे के अधिकारियों का कहना था कि यह खर्च नगर निगम खुद ही उठाए, हम इस खर्च का पैसा नहीं दे सकते हैं।

प्राथमिक बैठक में हुई चर्चा

इस मामले पर चर्चा के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा निगम की ओर से यह खर्च उठाने पर सहमति दी गई। इस बैठक में रेलवे के अधिकारियों द्वारा यह भी बताया गया कि वर्तमान महात्मा गांधी प्रतिमा के स्थल को तोडक़र नए स्वरूप में उसे विकसित करने का कार्य भी इस रेलवे ओवरब्रिज के काम के साथ उनके द्वारा किया जाएगा। इस बैठक के बाद अब आगे की योजना तैयार करने का काम होगा। इस बारे में पूछे जाने पर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अभी पुल के निर्माण के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट और ड्राइंग-डिजाइन तैयार नहीं हुई है। ऐसे में न तो पुल का अनुमानित खर्च निकाला जा सकता है और न ही यह कहा जा सकता है कि जब निर्माण शुरू किया जाएगा तो उसे पूरा होने में कितना समय लगेगा। इस प्राथमिक बैठक के बाद अब पश्चिम रेलवे द्वारा इस दिशा में काम शुरू किया जा रहा है।

अभ्यास मंडल में वक्ता बोले- व्यापार को समृद्ध बनाने से ही विदेश नीति सफल होगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में शुक्रवार को सेंट्रल इंडिया फाउंडेशन थिंक टैंक के अध्यक्ष व 1981 बैच के आईएफएस अधिकारी अशोक शर्मा ने कहा है कि विदेश नीति की सफलता के लिए जरूरी है कि भारत अपने व्यापार को समृद्ध बनाएं। विश्व में अच्छे नारे देने से कुछ नहीं होता है हमें हथियारों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार साल में देश की जनता ने विदेश के मामलों में रुचि लेना शुरू कर दी है। बहुत से परिवारों के कोई न कोई सदस्य विदेश में जाकर बस गए हैं, हमारी जीडीपी पूरी तरह से फॉरेन ट्रेड पर निर्भर है। देश की आजादी के बाद हम आदर्शवाद की नीति पर चले। हमने हमेशा उपनिवेशवाद का विरोध किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश में सरकार बदली तो भारत के द्वारा मल्टी एलाइनमेंट की पॉलिसी पर काम शुरू किया गया। इसमें हम किसी भी मुद्दे पर किसी देश के साथ हैं तो दूसरे मुद्दे पर उसे देश के खिलाफ भी है। इस पॉलिसी में राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा जाता है। इसी पॉलिसी पर हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान भी चल रहा है। इस पॉलिसी की खासियत यह है कि कोई भी देश हमें दूसरे देश से संबंध बनाने से रोक नहीं सकता है।

हार्ट की जांच कराने आए बुजुर्ग की एक्सीडेंट में मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में सोमवार (29 दिसंबर 2025) सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। उज्जैन से ओंकारेश्वर जा रही कार और सनावद से इंदौर आ रही कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में सनावद की कार में सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। तेजाजी नगर पुलिस के अनुसार हादसे में सनावद निवासी भैयालाल उर्फ भल्ला जी पुत्र लक्ष्मण की मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसा उज्जैन की कार के ड्राइवर की लापरवाही से हुआ। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को कार के ड्राइवर अमन पुत्र रशीद खान निवासी उज्जैन के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है।

पालदा में आसमान में छाया काला धुआं बाल-बाल बचे हजारों कर्मचारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पालदा औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक स्क्रैप गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें सक्रिय हुईं और मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। समता नगर में स्थित इस गोदाम के मालिक नसबी मोहम्मद समीर बताए जा रहे हैं। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने लगभग 10 हजार लीटर पानी और इतनी ही मात्रा में फोम का इस्तेमाल किया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका। हालांकि, इस दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। दमकल विभाग के कर्मियों को ऑपरेशन के दौरान भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण है, जिसके कारण सड़कें बेहद संकरी हो गई हैं। दमकल के वाहनों को गोदाम के मुख्य द्वार तक पहुंचने में काफी पसीना बहाना पड़ा। शुरुआत में बाहर से ही पाइप बिछाकर पानी डालने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद के जन्मदिन पर सेवा कार्यों के साथ बांटी खुशियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद का जन्मदिन शहर के के एक अनाथ आश्रम में सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच केक काटा गया और उन्हें खुशियों के पल साझा करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य जन्मदिन को औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए समाज के वंचित वर्ग के साथ सहभागिता निभाना रहा। हर्ष खंडेलवाल ने बताया कि बेहद संजीदा, संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हिंदुस्तान के नामी वकील भारत के भूतपूर्व विदेश मंत्री, लोकसभा सदस्य एवं सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सलमान खुर्शीद साहब के जन्मदिन के अवसर पर सेवा कार्य किए गए। अनाथ आश्रम में रह रहे बच्चों के साथ समय बिताया गया, उन्हें उपहार वितरित किए गए और उनके साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उत्साह देखते ही बनता था। आयोजन के दौरान बच्चों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई, जिससे उन्हें विशेष अपनापन महसूस हुआ। हर्ष खंडेलवाल ने कहा कि समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जन्मदिन सेवा और संवेदनशीलता के साथ मनाना एक सकारात्मक संदेश देता है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें यह अहसास होता है कि समाज उनके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे ताकि जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियां लाई जा सकें। उल्लेखनीय है कि सलमान खुर्शीद देश के वरिष्ठ नेताओं में शामिल रहे हैं।

देपालपुर में अतिक्रमण हटाने को लेकर हुई बड़ी कार्यवाही

जेसीबी लेकर पहुंचे नगर परिषद के अधिकारी, कई लोगों ने ताबड़तोड़ हटाया अतिक्रमण

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगर में आए दिन हो रहे ट्रैफिक जाम को लेकर नगर परिषद देपालपुर के अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के लिए हल्ला बोल दिया है। नगर परिषद सीएमओ बहादुर सिंह रघुवंशी और कर्मचारी आज देपालपुर नगर में अतिक्रमण हटवाते नजर आए साथ ही पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद थे । इंदौर रोड से लेकर तहसील रोड तक कार्यवाही की गई सड़क किनारे कहीं दुकानदारों के बोर्ड होडिंग लगे हुए थे, उन्हें तत्काल हटाया गया साथ ही तहसील रोड पर कहीं लोगों ने चद्दर के टीन सेट लगा रखे थे, उन्हें भी तत्काल रूप से हटाने के दुकानदारों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बिजली के पोल पर लगे अवैध होर्डिंग को भी निकाला गया। नगर में बहुत से दुकानदारों को ताबड़तोड़ सामान हटाते देखा गया। नगर परिषद के सीएमओ रघुवंशी ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अभी तो हम छोटी कार्यवाही कर रहे हैं आने वाले समय में बड़ी कार्यवाही करेंगे देपालपुर नगर में आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है। कई बार देखने में आया है स्कूल बस एम्बुलेंस भी जाम में फंस जाती है, इसी को ध्यान में रखते हुए हम यह कार्रवाई कर रहे हैं। पहले भी हमने नगर में आम जनता को कई बार समझाइश दी है, लेकिन दुकानदार एक-दो दिन अपने बोर्ड हटा लेते हैं और फिर से सड़क किनारे बोर्ड रख देते हैं, जिसको लेकर प्रतिदिन ट्रैफिक जाम होता है आने वाले समय में नगर परिषद के माध्यम से चालानी कार्रवाई भी की जाएगी। तहसील रोड पर 50 से अधिक दुकानें सब्जियों की लगती है, जिन्होंने अपनी दुकान के लिए तंबू बांध लिए हैं, उन्हें भी तंबू हटाने के लिए सख्त चेतावनी दी गई जेसीबी के माध्यम से कई जगह के ओटले तोड़े गए पावर ब्लॉक को भी निकाला गया।

देपालपुर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए इंदौर नगर निगम ने गोद लिया है, जिसको लेकर लगातार नगर में सफाई अभियान चल रहा है नगर निगम इंदौर कंधे से कंधा मिलाकर देपालपुर नगर परिषद का साथ दे रहा है, जिसमें सबसे पहले आवारा पशु मुक्त देपालपुर हुआ है। कहीं होटल के व्यापारियों ने चाय के डिस्पोजल का उपयोग करना बंद कर दिया। डिस्पोजल बंद को लेकर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने देपालपुर में अपील की थी, आप सभी मिलकर हमारा साथ दे हमारा सहयोग करें, हम देपालपुर को 100 दिन में नंबर वन बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

नगर परिषद की कार्यवाही को जनता ने अच्छी पहल बताया कहा गया है कि अधिक अतिक्रमण के कारण नगर की सुंदरता आए दिन खत्म हो रही थी। ट्रैफिक का नगर में बहुत दबाव था सड़क किनारे लगी दुकान सबसे ज्यादा समस्या पैदा कर रही थी। इसी प्रकार अगर नगर परिषद नगर में काम करती रही तो निश्चित तौर पर देपालपुर नगर स्वच्छ और सुंदर बन जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 03 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

माली समाज का निशुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन माई मंगेशकर सभागृह में होगा

इंदौर • महात्मा ज्योति बा फुले माली समाज मप्र का 28वां निशुल्क युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार 4 जनवरी को लोहा मंडी स्थित माई मंगेशकर सभागृह पर प्रारंभ होगा। इस अवसर पर देश एवं राज्य के विभिन्न शहरों एवं कस्बों से विवाह योग्य 250 से अधिक युवक-युवती प्रत्याशियों का परिचय सम्मेलन भी होगा तथा विभिन्न प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं और अन्य समाजसेवियों का भी सम्मान किया जाएगा। परिचय सम्मेलन के लिए देश के 8 राज्यों से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। महात्मा ज्योति बा फुले माली समाज मप्र के संरक्षक रामचंद्र सैनी, प्रदेशाध्यक्ष नितेश राजोरिया एवं जिलाध्यक्ष राधेश्याम बागड़ी ने बताया कि विश्व की प्रथम महिला शिक्षक माता सावित्रीबाई फुले की 195 वीं जयंती पर 4 जनवरी को होने वाले इस आयोजन में सर्व माली एवं सैनी समाज के उन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया जाएगा जिन्होंने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसी तरह महिलाओं, शिक्षिकाओं, अभिभाषक, चिकित्सक, पुलिसकर्मी एवं समाजसेवियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

विशाल जैन महाकुंभ मेला आज

इंदौर • विशाल जैन महाकुंभ मेला पुलक मंच परिवार 3 जनवरी को नसिंग वाटिका एयरपोर्ट पर के संयोजन में लगाया जा रहा है। होलास सोनी एवं मनोज़ बाकलीवाल ने बताया कि समाज की महिलाओ के गृह उद्योग एवं बच्चों के ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य को चित्रित करता मेला समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा।जहाँ पर चाट चौपाटी, अनेको छोटी बड़ी दुकानें जहाँ आप खाने पीने के साथ शॉपिंग भी कर सकेंगे। जैन मेला में सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होकर रात्रि 10 बजे तक चलेगा जिसमें बच्चों, महिलाओं की अनेक प्रतियोगिता होगी।जिसमें पुरुस्कार भी प्रदान किये जायगे। मीना झांझरी एवं अनामिका बाकलीवाल ने बताया कि समाज की अनेक समाज सेवियों का सम्मान किया जायेगा।जिनमे प्रमुख रूप से समाज को एकजुट करने के विशेष प्रयास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विनय बाकलीवाल का विशेष सम्मान किया जायेगा।

राम-कृष्ण का अवतरण सिर्फ भारत भूमि पर ही संभव : पं. भार्गव

इंदौर • जिसने भी स्वयं को श्रीराम से जोड़ा है, उसने हनुमान की तरह अदभुत काम किए हैं। राम का चरित्र काफी उदार है। राम के चरित्र में पुरुषार्थ, प्रेम, ममता, समता और एकता के सूत्र दिखाई देते हैं। राम के बिना इस सृष्टि और भारत भूमि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। राम और कृष्ण का अवतरण सिर्फ भारत भूमि पर ही हो सकता है क्योंकि दुनिया के अन्य किसी भी देश की इतनी पुण्याई और पवित्रता नहीं हो सकती। शिव श्रद्धा और पार्वती विश्वास है। श्रद्धा और विश्वास के बिना मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं हो सकता। बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में शुक्रवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। ब्रह्मऋषि स्वामी बर्फानी दादा महाराज की प्रेरणा से हो रहे इस अनुष्ठान में 3 जनवरी को श्रीराम जन्म महोत्सव, 4 को श्रीराम सीता विवाह, 5 को श्रीराम वन गमन एवं केवट संवाद, 6 को भरत चरित्र, 7 को पंचवटी निवास, गिद्धराज एवं शबरी चरित्र, 8 को श्रीराम-सुग्रीव मित्रता, 9 को रावण वध एवं रामराज्याभिषेक प्रसंगों की संगीतमय कथा होगी।

आंतरिक मूल्यांकन के प्रश्नों के उत्तरों को लैपटॉप के माध्यम से लिखा दृष्टिबाधितों ने

दृष्टिबाधितों को परीक्षा में अब नहीं पड़ेगी राइटर की जरुरत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दृष्टिबाधित छात्राओं को अब परीक्षा में लेखन सहायक (राइटर) की जरुरत नहीं पड़ेगी। अभी तक परीक्षाओं में ऐसे विद्यार्थियों को राइटर की आवश्यकता होती थी, जो इन छात्राओं के ज्ञान को उत्तर पुस्तिकाओं में लिखे। कई बार राइटर समय पर उपलब्ध न होने के कारण या देर से आने के कारण संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाते हैं। इसी निर्भरता को समाप्त करने व स्वयं लैपटॉप पर उत्तर देने की पहल की शुरुआत की है माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय ने। मध्यप्रदेश का एकमात्र कन्या महाविद्यालय जहां सर्वाधिक दृष्टिबाधित छात्राएं सामान्य छात्राओं के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यह समावेशी शिक्षा का एक उदाहरण है।

आंतरिक मूल्यांकन से की शुरुआत: महाविद्यालय की दृष्टिबाधित सहायता प्रकोष्ठ

प्रभारी ने इसकी शुरुआत की। ट्रायल के रुप में केवल आंतरिक मूल्यांकन के प्रश्नों के उत्तरों को लैपटॉप के माध्यम से लिखवाया गया। छात्राओं ने निर्धारित समय में बहुत ही बखूबी से उत्तर दिया। कम्प्यूटर में माहिर होने के कारण महाविद्यालय ने इन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नवाचार की एक पहल की है। छात्राओं के इस हुनर को देखकर महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. मंजू शर्मा ने परीक्षा नियंत्रक से चर्चा की। चचर्चा कर महाविद्यालयीन व विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में लैपटॉप से स्वयं उत्तर देने की मांग की। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशेष तिवारी ने भी इस नई पहल की सराहना की और इसे लागू करने का आश्वासन दिया। यह शुरुआत मप्र में संभवत: माता जीजाबाई महाविद्यालय से ही शुरु की गई है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की ओर से इस सराहनीय कार्य को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया गया। इस तरह से दृष्टिबाधितों को परीक्षा में उत्तर देने की सुविधा से राइटर पर उनकी निर्भरता समाप्त होगी और छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस कार्य में महत्वपूर्ण सहयोग टीम लीडर सुहास होलकर ने दिया है।

खत्म हो सकती है ब्रेल लिपि और राइटर की निर्भरता

जानकारों के अनुसार दृष्टिबाधित विद्यार्थी पढ़ाई के लिए अभी तक ब्रेल लिपि की पुस्तकों पर ही निर्भर थे। इसके अलावा इन विद्यार्थियों को परीक्षा में प्रश्नों का जवाब लिखने के लिए राइटर की आवश्यकता पड़ती राइटर जो थी, जिसमें कई बार मुश्किलों का सामना करना पडता है। इस तरह के शुरुआत परिणाम सामने आए है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पढ़ाई व परीक्षा के लिए छात्रों की ब्रेल लिपि व पर निर्भरता खत्म होने वाली है। आने वाले समय में यदि विश्वविद्यालय इसे लागू करता है तो लैपटॉप के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थी आम छात्रों की तरह हिंदी, अंग्रेजी या अन्य भाषा में अपने प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे।

ब्रेल डिस्प्ले के माध्यम से पहुंचाते हैं उपयोगकर्ता तक

एनवीडीए एक स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर है। यह दृष्टिबाधित लोगों को कम्प्यूटर का उपयोग करने में मदद करता है। यह हिंदी सहित कई भाषाओं का समर्थन करता है। यह कम्प्यूटर या लैपटॉप की स्क्रीन पर मौजूद टेक्स्ट (सामग्री) और अन्य जानकारी को जोर से पढ़कर या ब्रेल डिस्प्ले के माध्यम से उपयोगकर्ता तक पहुंचाता है।

शहर कांग्रेस कमेटी ने चाचा नेहरू अस्पताल का दौरा किया, जाने पीड़ित बच्चों के हाल-चाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भागीरथपुरा क्षेत्र में गतदिनों पूर्व ड्रेनेज एवं केमिकल युक्त दूषित पानी के कारण से बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए और अस्पतालों में भर्ती हुए, जिसमें करीब 15 लोगों की मृत्यु हो गई, इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं अन्य कांग्रेसजनो ने चाचा नेहरू अस्पताल पहुंचे,जहां उन्होंने भर्ती करीब 12 बच्चों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना,वहीं चाचा नेहरू अस्पताल के अधीक्षक श्री अरविंद शुक्ला एवं अन्य डॉक्टरों से मरीजों के स्वास्थ्य स्थिति एवं इलाज की जानकारी ली और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया एवं ईश्वर से सभी के जल्द शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

वही नेताओं ने आरोप लगाया है कि इतनी बड़ी घटना इस कारण हुई,क्योंकि इंदौर शहर में अफसरशाही हावी है जहां मंत्री,महापौर स्वयं स्वीकारते हैं कि अधिकारी हमारी सुन नहीं रहे हैं इतनी बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए और सैकड़ो की संख्या में आम लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा,देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा रखने वाले इंदौर में घोषित पेयजल से 15 लोगों की मौत हो जाना बहुत ही शर्मनाक घटना है। आपने मांग की है कि सभी मृत परिवार के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा शीघ्र दिया जाए,वही सभी बच्चों का निशुल्क इलाज कराया जाए,वह अलग से मुआवजा भी दिया जाए,वहीं दोषी अधिकारियों पर शीघ्र मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व संभागीय प्रवक्ता सन्नी राजपाल,निलेश शैलू सेन,प्रतिक मित्तल,सावन सिलावट,करण यादव,आकिब खान,नितेश भारद्वाज आदि मौजूद थे?।

दूषित जल से बीमार पड़े रहवासियों का विहिप ने जाना हाल, मंत्री मौर्य ने दिया सहयोग का आश्वासन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि भागीरथपुरा में दूषित जल सेवन से बड़ी संख्या में रहवासियों के बीमार ओर करीब एक दर्जन से ज्याद मौतें हो चुकी हे घटना ने पूरे इंदौर में चिंता का माहौल बना दिया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

विहिप प्रतिनिधियों ने न केवल मरीजों बल्कि उनके परिजनों से भी बातचीत कर हालात समझे। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मौजूद संबंधित डॉक्टरों से भी चर्चा कर मरीजों के उपचार, दवाइयों की उपलब्धता, भर्ती व्यवस्था और आगे की चिकित्सा प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली।

अस्पताल में भर्ती कई मरीजों ने बताया कि क्षेत्र में पेयजल के स्रोत लंबे समय से दूषित हैं, जिसकी ओर पहले भी ध्यान दिलाया गया था, लेकिन समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से शुद्ध पेयजल की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अंकित मौर्य ने कहा में दूषित जल के कारण रहवासियों का बीमार ओर इतनी बड़ी संख्या मौतें होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है। विश्व हिंदू परिषद इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। हमारी मांग है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो।'

मौर्य ने यह भी आश्वासन दिया कि यदि जरूरत पड़ी तो विहिप की ओर से पीड़ित परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि क्षेत्र में पेयजल स्रोतों की जांच कर स्थायी समाधान निकाला जाए। विहिप पदाधिकारियों की इस पहल से अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को मानसिक संबल मिला और उन्हें उम्मीद जगी कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है।

खजराना गणेश मंदिर में तिल-गुड़ के सवा लाख लड्डुओं का निर्माण शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • खजराना गणेश मंदिर पर 6 से 8 जनवरी तक लगने वाले परंपरागत तिल चतुर्थी मेले की तैयारियां शुरू हो गई है। भक्त मंडल के अरविन्द बागड़ी द्वारा तिल चतुर्थी मेले के शुभारंभ पर 6 जनवरी को तिल गुड़ के सवा लाख लड्डुओं का भोग समर्पित किया जाएगा। शुक्रवार को मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट, पं. सुमित-पं. पुनीत भट्ट द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लड्डुओं के निर्माण का काम दस भट्टियों पर शुरू कर दिया गया है। भक्त मंडल द्वारा सवा लाख लड्डुओं के भोग के प्रसाद वितरण का शुभारंभ सुबह 10 बजे कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा और निगमायुक्त तथा मंदिर के प्रशासक दिलीप यादव द्वारा पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा। भक्त मंडल के अरविंद बागड़ी एवं कैलाश पंच ने बताया कि शुक्रवार सुबह शहर के प्रसिद्ध रसोइए खेमजी महाराज की टीम के 40 रसोइयों ने सवा लाख लड्डुओं के निर्माण का काम शुरू कर दिया। लड्डू बनाने का काम 5 जनवरी की रात तक चलेगा। दस भट्टियों पर 40 रसोइये मिलकर लड्डुओं का निर्माण करेंगे। 6 जनवरी को सुबह कलेक्टर, निगम आयुक्त एवं अन्य अतिथि गणेशजी को सवा लाख लड्डुओं का भोग समर्पित करेंगे और भक्तों में प्रसाद वितरण का शुभारंभ भी करेंगे। लड्डू निर्माण के शुभारंभ अवसर पर मंदिर के महाप्रबंधक राकेश शर्मा, भक्त मंडल की ओर से अरविन्द बागड़ी, कैलाश पंच, वंशिका-यश गोयल, वरुण-नताशा बागड़ी, सुभाष नायक, सुरेश चौधरी, परी-पार्थ, मंदिर के प्रबंधक घनश्याम शुक्ला, पं. नर्मदा प्रसाद शास्त्री भी मौजूद थे। लड्डू निर्माण का यह काम लगातार 72 घंटे तक चलेगा। 7 जनवरी को गणेशजी को गोंद के लड्डुओं का भोग तथा 8 जनवरी को उड़द के लड्डुओं का भोग भी लगाया जाएगा।

लोधीपुरा नरसिंह बाजार क्षेत्र के भूतपूर्व रहवासियों का अभूतपूर्व मिलन समारोह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हम राजनीतिक हल्कों में जब बात चलती है और नगर निगम के मेयर के लिए पूछा जाता है तो निर्विवाद सत्य के रूप में स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह चौहान पूर्व महापौर को बड़ी श्रद्धा से याद किया जाता है उनकी ईमानदारी और करते हुए निष्ठा पर शहर कायल रहा है। यह कहना है नगर निगम के पूर्व सभापति भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश शर्मा का। संस्था जीवन प्रवाह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे कैलाश शर्मा ने इस क्षेत्र के प्रबुद्ध जन को याद किया। नववर्ष की बेला पर लोधीपुरा, नरसिंह बाजार क्षेत्र के पुराने रहवासियों का समागम हुआ।

संस्था सचिव प्रकाश सोनी ने बताया कि संस्था पिछले 16 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण मुक पशु पक्षी की सेवार्थ कार्य कर रही है। छोटे-छोटे कार्यक्रमों के आयोजन से समाज की सहभागिता को बढ़ाया और लगभग 7 लाख तुलसी पौधों का वितरण किया वहीं शहर के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न संतों और प्रबुद्ध जनों के सहयोग से लगभग 50000 औषधीय पौधों का रोपण भी किया। इस अवसर पर संस्था जीवन प्रवाह की नवीन कार्यकारिणी की शपथ विधि भी हुई। पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मेहता को समन्वयक नामित किया, वहीं नए अध्यक्ष के रूप में राजेंद्र स्वर्णकार, उपाध्यक्ष राजेंद्र नायक, सचिव प्रकाश सोनी, सह सचिव बृजेंद्र नीमा, कोषाध्यक्ष अंकित चौधरी, विश्वास गुप्ता का कार्यकारिणी में चयन किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार मनोज दाधीच ने किया। गायक महेंद्र सरमंडल ने गीत प्रस्तुति दी। आभार सचिव प्रकाश सोनी ने माना। अपने उद्बोधन में कैलाश शर्मा ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र ने समाज का नेतृत्व तो किया ही है लेकिन जीवन प्रवाह जैसी संस्था समाजिक क्षेत्र में पर्यावरण,(वृक्षों, जल, एवं पक्षी संवर्धन एवं संरक्षण) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम आयोजित कर इस क्षेत्र का नाम आगे बढ़ने का काम कर रही है।

अ.भा. श्याम महोत्सव आज से, देशभर के श्याम भक्तों का सैलाब उमड़ेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्याम मित्र मंडल शिव मोती नगर की मेजबानी में शनिवार 3 जनवरी एवं रविवार 4 जनवरी को सायं 7 बजे से अ.भा. श्याम महोत्सव का 30वां दिव्य आयोजन ए.बी. रोड, राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर श्याम भक्त श्रीमती पुष्पा मित्तल के सानिध्य में होगा। इसमें देश के अनेक ख्याति प्राप्त भजन गायक, कोलकाता के पुष्प सज्जाकार एवं देशभर में फैले श्याम भक्त शामिल होंगे। लगभग ढाई हजार भक्त दूसरे शहरों से आएंगे और इतने ही भक्त शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से आएंगे। महोत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। गार्डन पर पुष्प सज्जा, अखंड ज्योत एवं बाबा के दरबार के निर्माण का काम शुरू हो गया है। समूचे आयोजन को 'अर्जी रींगस नरेश से' नाम दिया गया है। मंडल के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, मनीष अग्रवाल एवं पार्थ मित्तल मोरनी ने बताया कि महोत्सव में कोलकाता के प्रख्यात भजन गायक राज पारीक एवं सौरभ शर्मा, समस्तीपुर की सुश्री रेशमी शर्मा, जयपुर के अभिषेक नामा, शिवम रावल एवं आशीष शर्मा सहित अनेक प्रख्यात श्याम भजन गायक तथा दिल्ली एवं कोलकाता के प्रख्यात संगीत समूहों के कलाकार भी विशेष रूप से इंदौर आकर अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

रेल में सोने की लूट और जांच का धोखा; जिसे यात्रियों की सुरक्षा सौंपी गई थी वही अपराधी निकला

हैरत की बात है कि जिस अधिकारी को रेल में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, वही अपराधियों की जमात में खड़ा पाया गया। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो यह व्यवस्था में एक गहरी और चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। इससे आमजन में असुरक्षा, निराशा और अविश्वास की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। अगर कानून व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने लगें, तो सुरक्षा और न्याय की उम्मीद किससे की जाए! बिहार में एक ऐसी ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सोने की लूट की जांच कर रहा राजकीय रेलवे पुलिस का अधिकारी ही मामले में संलिप्त पाया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब पटना रेलवे पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच दल ने गहन तहकीकात की। हैरत की बात है कि जिस अधिकारी को रेल में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, वही अपराधियों की जमात में खड़ा पाया गया। ऐसे में यह सवाल और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि व्यवस्था में पनप रहे इस तरह के भ्रष्टाचार और अपराध के दरख्तों को खाद-पानी कहां से मिल रहा है? गौरतलब है कि कोलकाता स्थित एक स्वर्ण कारोबारी के कर्मचारी ने बिहार के गया रेल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गत वर्ष नवंबर में हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस रेल में यात्रा के दौरान गया स्टेशन पर पुलिस वर्दी में चार लोग ट्रेन में सवार हुए। पहले उन्होंने सोने को लेकर उनसे पूछताछ की और बाद में वे एक किलो सोने के बिस्कुट लेकर फरार हो गए। इसके बाद गया रेल थाना प्रभारी ने जांच शुरू की। जाहिर है कि जब लूट में शामिल पुलिस अधिकारी ही जांच कर रहा हो, तो सच सामने आने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। भारतीय रेल आए दिन अलग-अलग बहाने से किराए में बढ़ोतरी करने या अधिक पैसे वसूलने में तो कोई संकोच नहीं करती, लेकिन यात्रियों के सुरक्षित और सुविधाजनक सफर को सुनिश्चित करने में शायद उसकी कोई रुचि नहीं है। विडंबना यह है कि यात्रियों के सामने आपराधिक तत्त्वों के अलावा अब वैसे लोगों से भी खुद को बचाने की चुनौती है, जो उनकी सुरक्षा के लिए ही तैनात किए जाते हैं।

नारी जागरण नहीं, नारी आगमन का समय है

आत्मनिर्भर नारी से आत्मनिर्भर भारत तक अबला नहीं, निर्णायक शक्ति: नारी जागरण का नया दौर

जब इतिहास अपने पन्ने पलटता है, तो कुछ वर्ष केवल तारीख नहीं रहते, वे चेतना बन जाते हैं। वर्ष 2026 ऐसा ही एक कालखंड है, जहां भारतीय नारी की पहचान 'अबला' की परिधि तोड़कर 'सबला, सक्षम और निर्णायक शक्ति' के रूप में स्थापित हो रही है। अब प्रश्न यह नहीं कि स्त्री क्या कर सकती है, प्रश्न यह है कि बिना स्त्री के क्या संभव है? यह परिवर्तन अचानक नहीं, बल्कि सदियों की चुप्पी, संघर्ष और आत्मचेतना से उपजा हुआ है। आज महिला दया या सहानुभूति की नहीं, अधिकार, अवसर और नेतृत्व की भाषा बोल रही है। वह केवल बदलाव का हिस्सा नहीं, बल्कि बदलाव की धुरी बन चुकी है। यही युगांतकारी बदलाव 2026 को नारी चेतना का स्वर्णिम अध्याय बनाता है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक स्त्री को त्याग, सहनशीलता और मौन की प्रतिमूर्ति माना गया। परंतु समय के साथ उसने प्रश्न पूछना सीखा, निर्णय लेना सीखा और अपनी पहचान स्वयं गढ़ी। शिक्षा के विस्तार, सामाजिक आंदोलनों और नीतिगत प्रयासों ने उसे नई दृष्टि दी। अब वह परिवार की सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली शक्ति है। 2026 तक आते-आते महिला आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, वैचारिक भी बन चुकी है। वह परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन साधते हुए अपने लिए नए रास्ते बना रही है। यही संतुलन उसे विशिष्ट, प्रभावशाली और प्रेरणादायी बनाता है।

पिछले वर्षों में महिलाओं की श्रम भागीदारी और निर्णयात्मक भूमिकाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह परिवर्तन आंकड़ों से अधिक मानसिकता का द्योतक है। आज महिलाएं नौकरी खोजने वाली नहीं, रोजगार देने वाली बन रही हैं। वे नेतृत्व, प्रबंधन और नवाचार के क्षेत्र में नई मिसालें गढ़ रही हैं। आत्मनिर्भरता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है, और आत्मविश्वास ने समाज में उनकी स्वीकार्यता बढ़ाई है। 2026 की महिला आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि आर्थिक दिशा निर्धारित करने वाली शक्ति है। वह घर की अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्र की विकास नीति तक अपनी स्पष्ट छाप छोड़ रही है।

खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने जिस प्रकार सीमाओं को ध्वस्त किया है, वह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विजयों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा लिंग नहीं देखती। साहस, अनुशासन और समर्पण के बल पर महिला खिलाड़ी असंभव को संभव कर रही हैं। उनकी सफलता केवल पदकों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन का माध्यम है। खेल ने उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व और मानसिक दृढ़ता दी है। आज खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का विद्यालय बन चुका है, जहां से आत्मबल से भरी पीढ़ियां निकल रही हैं।

उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत की आर्थिक संरचना को नया आकार दे रही है। छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक महिलाएं स्टार्टअप, स्वसहाय समूह और नवाचार आधारित व्यवसाय खड़े कर रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय समावेशन और प्रशिक्षण ने उन्हें नई उड़ान दी है। वे केवल लाभ नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व को भी प्राथमिकता दे रही हैं। महिला उद्यमी रोजगार सृजन के साथ संवेदनशील नेतृत्व प्रस्तुत कर रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि जब स्त्री आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो पूरा परिवार और समाज स्थिरता तथा प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता है।

राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक मानवीय और संतुलित बना रही है। पंचायत से संसद तक उनकी उपस्थिति ने यह प्रमाणित किया है कि नेतृत्व केवल शक्ति का नहीं, समझ का विषय है। नीति निर्माण में महिलाओं की सहभागिता से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को प्राथमिकता मिली है। आरक्षण और प्रतिनिधित्व ने नई पीढ़ी को राजनीति से जुड़ने का साहस दिया है। 2026 का भारत उस दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां सत्ता का स्वर अधिक संवेदनशील, समावेशी और उत्तरदायी होता जा रहा है। यह परिवर्तन लोकतंत्र की आत्मा को सुदृढ़ करता है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति समाज के भविष्य को दिशा दे रही है। विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान में बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि बौद्धिक क्षमताएं किसी लिंग की मोहताज नहीं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, स्वच्छता अभियान और मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद महिलाओं को अधिक सशक्त बना रहा है। शिक्षित और स्वस्थ महिला ही सशक्त पीढ़ी की निर्माता होती है। वह बच्चों में मूल्य, समाज में संवेदना और राष्ट्र में विवेक भरती है। यही कारण है कि महिला सशक्तिकरण को विकास की रीढ़ माना जाने लगा है।

यद्यपि प्रगति के पथ पर कई उपलब्धियां हैं, फिर भी चुनौतियां शेष हैं। घरेलू हिंसा, असमान वेतन, साइबर अपराध और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं। किंतु अब महिलाएं चुप नहीं रहतीं, वे संगठित होकर आवाज उठाती हैं। कानून, जागरूकता और सामुदायिक सहयोग उनके संघर्ष को शक्ति दे रहे हैं। आत्मरक्षा, डिजिटल साक्षरता और अधिकारों की समझ ने उन्हें अधिक सजग बनाया है। यह संघर्ष पराजय का नहीं, परिवर्तन का संकेत है, जो समाज को अधिक न्यायपूर्ण और सुरक्षित बनाने की दिशा में अग्रसर है।

2026 की महिला केवल अपनी उन्नति तक सीमित नहीं, वह राष्ट्र निर्माण की सहभागी है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास इस बदलाव को संस्थागत आधार देते हैं। आज महिला नेतृत्व केवल प्रतीक नहीं, प्रेरणा है। वह नीति, नवाचार और नैतिकता का संतुलन स्थापित कर रही है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो विकास की परिभाषा विस्तृत होती है। यह समय है जब समाज स्त्री को सहयोग नहीं, साझेदारी दे। क्योंकि सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है, और यही आधुनिक भारत की पहचान बन रही है।

महिलाओं की यह यात्रा केवल परिवर्तन की कहानी नहीं, चेतना के पुनर्जागरण का घोष है। यह बताती है कि सशक्तिकरण कोई उपहार नहीं, बल्कि अधिकार है, जिसे जागरूकता और अवसर से प्राप्त किया जाता है। 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि जब स्त्री आगे बढ़ती है, तो समाज स्थिर नहीं रहता, वह ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होता है। आइए, हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं जहां हर महिला भय नहीं, विश्वास के साथ सपने देख सके। यही सच्चा विकास है, यही समावेशी भारत का उज्ज्वल भविष्य।

कृति आरके जैन

आंचलिक

देवी अहिल्या उत्कृष्ट स्कूल का कल शताब्दी समारोह, देश-विदेश के पूर्व छात्र जुटेंगे, प्रिंस रिचर्ड होलकर करेंगे प्रतिमा का अनावरण

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 3 और 4 जनवरी को होगा, जिसमें देश-विदेश से 1500 से अधिक पूर्व छात्र और 100 से ज्यादा शिक्षक-आचार्य शामिल होंगे। सभी पूर्व छात्रों और शिक्षकों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। समारोह के दौरान स्कूल परिसर में देवी अहिल्या की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। यह अनावरण 4 जनवरी को होलकर स्टेट के वंशज प्रिंस रिचर्ड होलकर करेंगे। देवी अहिल्या उत्कृष्ट स्कूल शताब्दी महोत्सव समिति से जुड़े दिनेश पटेल ने बताया कि

आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 3 जनवरी को पूर्व छात्रों का एकत्रीकरण होगा, जबकि 4 जनवरी को मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। देवी अहिल्या उत्कृष्ट स्कूल 100 वर्ष पुराना शैक्षणिक संस्थान है। स्कूल भवन में आज भी पुराने स्तंभ और लकड़ी के खंभे सुरक्षित हैं। वर्तमान में स्कूल पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहा है।

पूर्व छात्रों ने संभाली आयोजन की कमान

शताब्दी समारोह का नेतृत्व पूर्व छात्र रवि जोशी, संजीव भटोरे और मनजीत सिंह चावला कर रहे हैं। आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी पूर्व छात्र भाग लेने पहुंच रहे हैं।

ओंकारेश्वर डैम से अचानक छोड़ा पानी, 10 मजूदर फंसे, नाव से किया रेस्क्यू, मोरटक्का में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए बनी एप्रोच बही

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर बांध परियोजना से अचानक छोड़े गए पानी से आफत सी बन गई। शुक्रवार को मोरटक्का में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज की एप्रोच बह गई। इस दौरान काम कर रहे मजदूरों की जान पर आ गई। एप्रोच का आधा हिस्सा बह जाने से बीच नर्मदा में मजदूर फंस गए। बाद में नाव भेजकर 10 मजदूरों का रेस्क्यू कराया गया, उन्हें सुरक्षित खेड़ीघाट पर छोड़ा गया।

बिजली निर्माण के लिए छोड़ते हैं पानी- दरअसल, ओंकारेश्वर बांध से लगातार टरबाइन चलाकर बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। टरबाइन से सतत चार-चार घंटे बिजली बनाई जा रही है। ऐसे में इकट्ठे हुए पानी को एक साथ नदी में छोड़ा जाता है। जिससे कि बहाव तेज होकर नर्मदा का जल स्तर बढ़ जाता है। ओंकारेश्वर के कई घाट तक डूब जाते हैं। हालांकि, सायरन बजाकर नर्मदा स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को अलर्ट कर दिया जाता है। ताकि अचानक जल स्तर बढ़ने से कोई घटना ना हो जाए।

चार दिन पहले भी बह गया था एप्रोच - मोरटक्का में इंदौर-अकोला-खंडवा रेल रूट पर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण गुजरात की मंगलम बिल्डकॉन कंपनी कर रही है। इसी कंपनी के द्वारा मोरटक्का में नेशनल हाईवे का ओवरब्रिज भी बनाया जा रहा है। फिलहाल रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के

दौरान पानी के ऊपर मिट्टी डालकर एप्रोच रोड बनाई गई थी। ताकि वाहन और खासकर क्रेन मशीन खड़ी हो सकें और पिल्लर में कांक्रीट भरा जा सके। डैम से अचानक छोड़े गए पानी से एप्रोच सड़क बह गई।

अब फिर तीन से चार दिन में होगी तैयार- निर्माण कंपनी के ठेकेदार पंकज पटेल ने बताया कि, बिना एप्रोच सड़क के पानी के भीतर काम नहीं किया जा सकता है। वाहनों की आवाजाही और मजदूरों को कार्य करने के लिए सुरक्षित अस्थायी एप्रोच सड़क बनाई जाती है। लेकिन पानी के तेज बहाव में वह बह जाती है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, चार दिन पहले भी एप्रोच बह गई थी। उसे वापस बनाने में चार दिन लग गए, आज फिर वह बह गई। एक बार एप्रोच बनाने में 5 लाख रूपए का खर्च आता है।

बड़वाह में पक्षियों को भोजन डालने पर रोक, एक्वाडक्ट पुल पर 140 से अधिक तोतों की मौत, जानबूझकर जहर मिला खाने देने की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● एक्वाडक्ट पुल के पास हाल ही में 140 से अधिक तोतों की रहस्यमय मौत के मामले में प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए मृत तोतों के विसरा को जांच के लिए भोपाल और जबलपुर की प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। घटना के बाद वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग ने एक्वाडक्ट पुल की रेलिंग पर पक्षियों को भोजन डालने पर तत्काल रोक लगा दी है। वन विभाग का मानना है कि दूषित खाद्य पदार्थ तोतों की मौत का कारण हो सकता है। इस प्रतिबंध की निगरानी के लिए वन विभाग ने पांच सदस्यीय एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टीम प्रतिदिन निर्धारित समय पर पुल का दौरा करेगी और लोगों को रेलिंग पर पका हुआ भोजन या अनाज डालने से रोकेगी। शुक्रवार सुबह वन विभाग की टीम ने पुल का निरीक्षण किया। राहत की बात यह रही कि निरीक्षण के दौरान तोतों का कोई नया शव नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान डिप्टी रेंजर एचएस सिसौदिया ने सुबह सैर पर निकले लोगों और पक्षी प्रेमियों को समझाइश दी। उन्होंने कहा, 'यहां लगातार तोतों के शव मिल रहे हैं, जिससे पक्षियों के जहर मिला खाने का अंदेशा है। ऐसे में एहतियातन अगले कुछ दिनों तक पक्षियों को किसी भी तरह का खाद्यान्न न डालें। यदि नियमों का उल्लंघन किया गया तो वन विभाग कार्यवाही करेगा।' पशु चिकित्सा विभाग के डॉ. जितेंद्र सेते ने भी अपनी टीम के साथ मौके का जायजा लिया। उन्होंने आमजन को जागरूक करते हुए कहा कि पक्षियों को पका हुआ या बासी भोजन न दें, क्योंकि इससे उन्हें 'फूड पॉइजनिंग' का खतरा रहता है। पक्षियों के लिए सिर्फ कच्चा अनाज ही उपयुक्त है। दोनों विभागों की टीमें आगामी तीन-चार दिनों तक लगातार भ्रमण कर लोगों को जागरूक करती रहेंगी।

लोखंडिया में मोती माता का सात दिवसीय मेला शुरू, सीसीटीवी लगाए गए और अतिरिक्त पुलिस तैनात

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● ग्राम लोखंडिया में आज (गुरुवार) मोती माता का सात दिवसीय मेला शुरू हो गया है। इस मेले में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जो 7 जनवरी तक चलेगा। यह मेला 22 एकड़ क्षेत्र में लगाया गया है, जिसमें लगभग 12 एकड़ में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भक्तों द्वारा माता को डेढ़ हजार क्विंटल मिठाई चढ़ाई जाएगी। मेले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। चोरी और पॉकेटमारी जैसी घटनाओं पर नजर रखने के लिए पंचायत और मंदिर समिति ने लगभग 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। झूलों के आसपास भी कैमरे लगाए गए हैं। अग्निशमन यंत्रों की भी व्यवस्था की गई है और बाहर से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

गुरुवार को नेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखला और खकनार थाना टीआई अभिषेक जाधव ने मेला स्थल का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के तुरंत दर्शन हो सकें, इसके लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सिरपुर मार्ग और दर्शन के बाद जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए डोईफोड़िया मार्ग निर्धारित किया गया है। मेले में तीन पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जो स्थानीय और प्रदेश के बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हैं। तहसीलदार, नायब तहसीलदार और पटवारी सहित अन्य अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि मोती माता हर मन्नत पूरी करती हैं। मन्नत पूरी होने पर भक्त यहां 'तुलादान' करते हैं, जिसका मंदिर में विशेष महत्व है।

7 जनवरी तक चलेगी मेला

मंदिर के पुजारी बाबू महाराज के अनुसार, भक्त बीमारी दूर करने सहित अन्य परेशानियों के लिए मन्नत मांगते हैं और समस्या दूर होने पर मिठाई से तुलादान कर माता रानी को प्रसाद चढ़ाते हैं।

मेले के दौरान, पूर्णिमा के अवसर पर 3 जनवरी का दिन विशेष रहेगा। इस दिन माता का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी और मंदिर पर ध्वज चढ़ाया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मण झामू ने बताया कि हर साल मध्य प्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक से भी भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर ट्रस्ट सदस्य ईश्वर जाधव ने बताया कि माता को मिठाई का प्रसाद चढ़ाया जाता है।

खंडवा में 'ज्ञान गंगा' किताब को लेकर विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा जिले के सिंगोट गांव में 'ज्ञान गंगा' नामक पुस्तक को लेकर शुक्रवार को धार्मिक विवाद गहरा गया। आरोप है कि इस किताब में पवित्र कुरान शरीफ और धार्मिक मान्यताओं के बारे में आपत्तिजनक और भ्रामक बातें लिखी गई हैं। शुक्रवार सुबह जब कुछ युवक-युवतियां गांव में इस किताब का प्रचार कर रहे थे, तभी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उन्हें पकड़ लिया और पिपलोद पुलिस के हवाले कर दिया। किताब में लिखी बातों की जानकारी मिलने पर मुस्लिम समाज के लोग भी बड़ी संख्या में थाने पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि वे सभी धर्मों और पवित्र ग्रंथों का सम्मान करते हैं, लेकिन किसी भी धार्मिक ग्रंथ को लेकर गलत प्रचार करने से समाज में तनाव पैदा होता है, जो स्वीकार्य नहीं है। मामले में विश्व हिंदू परिषद के विभाग सहमंत्री अजय चंद्रे ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इधर, पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला संज्ञान में ले लिया है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

सीएम के बेटे-बहू की नर्मदा परिक्रमा यात्रा का समापन, ओंकारेश्वर दर्शन के बाद मोरटक्का के राज राजेश्वरी मंदिर में आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नए साल के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को ओंकारेश्वर पहुंचे। उन्होंने कन्या पूजन किया और नर्मदा परिक्रमा वासियों से मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। इसी दौरान मुख्यमंत्री के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव और बहू डॉ. इशिता यादव की नर्मदा परिक्रमा यात्रा का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए। समापन कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री के पुत्र एवं पुत्रवधु ने ओंकारेश्वर के ब्राह्मपुरी घाट पर मां नर्मदा का पूजन किया। इसके बाद उन्होंने बाबा ओंकार के दर्शन कर ओंकार पर्वत की परिक्रमा की और मोरटक्का स्थित राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने कन्यापूजन किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु और परिक्रमा वासियों में विशेष उत्साह देखा गया। समापन अवसर पर धार्मिक वातावरण और श्रद्धा का भाव बना रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वे अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच ओंकारेश्वर स्थित राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने कन्या पूजन किया। मुख्यमंत्री ने नर्मदा परिक्रमा वासियों को संबोधित करते हुए नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

मुंबई इंडियंस की जर्सी लांच हरमनप्रीत एंड गर्ल्स का दिखा स्वैग

मुंबई (एजेंसी) ●महिला प्रीमियर लीग 2025 की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने 2026 सीरीज के लिए अपनी जर्सी को लॉन्च कर दिया है। जर्सी में मुंबई की छाप साफ दिख रही है। फ्रेंचाइजी के मुताबिक इस जर्सी को मुंबई शहर और यहां के लोगों से प्रेरणा लेकर डिजाइन किया गया है। जिस तरह टीम शहर को प्रतिबिंबित करती है, उसी तरह जर्सी भी रोजमर्रा की मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रही है। हमेशा चलती हुई और हमेशा खेलती हुई। जर्सी ब्लू कलर की है, जिसमें कुछ हिस्सा गोल्डन और कोरल का है। जर्सी का कोर थीम विकेट पल्स है। जर्सी के आगे और पीछे का हिस्सा ब्लू है, जो लोकल ट्रेन से लेकर समंदर की लहरों तक मुंबई के सतत चलते रहने से प्रेरित है। ये कभी न धीमी होने वाली मानसिकता दिखाती है, जो मुंबई और मुंबई इंडियंस दोनों की पहचान है। मुंबई इंडियंस ने अपने ऑफिशियल इंस्टापेज पर नई जर्सी में हरमनप्रीत कौर और अन्य खिलाडियों को दिखाया है, जिनमें उनका स्वैग देखने लायक है।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले: मोना सिंह

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री मोना सिंह ने टीवी, सिनेमा और डिजिटल प्लेटफॉर्म, तीनों में अपनी जगह बनाई है। अभिनेत्री मोना सिंह के लिए बीते 25 साल व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह के विकास का दौर रहा। मोना सिंह ने कहा, मैंने इंडस्ट्री के साथ-साथ खुद को भी आगे बढ़ाया है। मुझे ऐसे किरदार मिले जिन्होंने चुनौती दी और मेरी क्षमता को परखा। इतने सालों बाद भी अगर मैं उत्साहित हूं, तो यह मेहनत और सीख का ही परिणाम है। उन्होंने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले, जहां मैंने अलग-अलग माध्यमों में काम करते हुए अपनी पहचान बनाई। जब उनसे इंडस्ट्री में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में पूछा, तो मोना ने कहा, इंडस्ट्री में काफी बदलाव आए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि इंडस्ट्री ने बदलाव को इतनी जल्दी अपनाया।

मारिन एक बार फिर महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली (एजेंसी) ● हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को दूसरी बार भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया है। मारिन के मार्गदर्शन में ही भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन साल 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम के कोच थे। वहीं अर्जेंटीना के विला मटियास विला को विश्लेषणात्मक कोच बनाया गया है।

पूर्व मिडफील्ड विला ने साल 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में भाग लिया था। वह करीब 20 साल से कोचिंग करते आ रहे हैं। इसके अलावा वेन लोम्बार्ड को खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में रखा गया है जबकि वैज्ञानिक सलाहकार रोडेट इला और सियारा इला अपने पद पर बने रहेंगे।

वहीं मारिन ने का कि उन्हें भारतीय टीम के साथ आने से खुशी हुई है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और रवैये के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में अहम र्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में सहाता कर सकूं।

गौरतलब है कि मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंची थी। अब मारिन की पहली परीक्षा आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में होगी। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम निरंतर सफलता हासिल करेगी।

असल जिंदगी में भी डबल रोल निभा रहीं गुरलीन चोपड़ा

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री गुरलीन चोपड़ा का नाम फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ फिटनेस के क्षेत्र में भी जाना जाता है। अभिनेत्री गुरलीन की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने सही जीवनशैली और फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया है। उन्होंने मिस चंडीगढ़ का खिताब जीता। यह उनके लिए करियर की दिशा बदलने वाला पल साबित हुआ। दोस्तों के सुझाव की वजह से उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और विज्ञापनों में काम किया, यहां से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का मौका मिला। गुरलीन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म इंडियन बाबू से की। इसके बाद उनकी अगली फिल्म कुछ तो गड़बड़ है आई, जिसमें उन्होंने एक अनाथ लड़की का किरदार निभाया। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी अपने पैर जमाए। तेलुगु फिल्म आयुधम उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया। कन्नड़ फिल्म मनमथा में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने बहुत सराहा।

उज्जैन संभाग

दूषित जल प्रदाय पर सख्ती, निगमायुक्त ने उपभोक्ता बनकर हेल्पलाइन पर किया फोन, कहा- मेरे घर गंदा पानी आ रहा; एक्शन मोड में पीएचई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●इंदौर में दूषित पानी से 15 मौत और उस पर चल रही सियासत के बाद उज्जैन नगर निगम भी अलर्ट मोड में आ गया है। शहर के कई इलाकों में गंदे पानी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्र ने अनोखा कदम उठाया। उन्होंने खुद उपभोक्ता बनकर जल प्रदाय की हेल्पलाइन पर कॉल किया और शिकायत दर्ज कराई, ताकि सिस्टम की वास्तविक स्थिति को परखा जा सके।

निगमायुक्त अभिलाष मिश्र ने गुरुवार को चामुंडा माता स्थित पीएचई कार्यालय और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों की मौजूदगी में हेल्पलाइन नंबर पर फोन लगाया और कहा, 'मैं अभिलाष, वार्ड 22 में रहता हूं। मेरे यहां गंदा पानी आ रहा है, कब तक सही हो जाएगा? 'हेल्पलाइन कर्मचारी ने शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मौके पर इंजीनियर भेजने की बात कही। निगमायुक्त और हेल्पलाइन के बीच हुई यह बातचीत अब सोशल मीडिया पर सामने आई है।

टंकियों की सफाई शुरू

निगमायुक्त के निर्देश के बाद शहर में पानी की टंकियों की सफाई का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। पीएचई विभाग ने सुभाषनगर, चकोर पार्क, लक्ष्मीनगर, मिर्ची नाला, भैरवगढ़ और रविशंकर नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में टंकियों की अंदरूनी सफाई कराई है।

सीएम ने कहा - खाचरोद की संस्कृति और परंपराएं प्रदेश की पहचान, सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण किया; फूड पार्क-स्टेडियम बनाने की घोषणा

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को खाचरोद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 35 करोड़ रुपए की लागत से बने सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा, खेल और रोजगार को लेकर लगातार काम कर रही है।

दो साल में बना सांदीपनी स्कूल- मुख्यमंत्री ने बताया कि सांदीपनी स्कूल का निर्माण लगभग दो वर्षों में पूरा हुआ है। यह स्कूल 3500 विद्यार्थियों की क्षमता वाला है। यहां नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई होगी। स्कूल में आसपास के 5 किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा।

नए शिक्षक होंगे नियुक्त- इस दौरान सीएम ने कहा कि स्कूल में पढ़ाने के लिए नए शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। इससे पढ़ाई की गुणवत्ता बेहतर होगी और बच्चों को अच्छा शैक्षणिक माहौल मिलेगा।

खाचरोद को मिला फूड पार्क और स्टेडियम - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खाचरोद में फूड पार्क और आधुनिक स्टेडियम बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि फूड पार्क से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, जबकि स्टेडियम से खिलाड़ियों को

अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा।

रेवड़ी का जिक्र किया- कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने खाचरोद की प्रसिद्ध मिठाई रेवड़ी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खाचरोद की संस्कृति और परंपराएं प्रदेश की पहचान हैं।

बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद - इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खाचरोद सहित पूरे प्रदेश के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

डस्टबिन नहीं रखा, होटल-नाश्ता प्वाइंट संचालकों पर लगा जुर्माना, सुसनेर बस स्टैंड पर सीएमओ की कार्रवाई; बाहर रखी बेंच-कुर्सियां भी हटाई

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत शुक्रवार को सीएमओ ओपी नागर ने सुसनेर बस स्टैंड का निरीक्षण किया। इस दौरान कई होटल और नाश्ता प्वाइंट संचालकों ने डस्टबिन नहीं रखे थे, जिससे कागज और अन्य कचरा खुले में बिखरा था। इस दौरान नियमों की अनदेखी करने पर जुर्माना भी वसूला गया। इस दौरान व्यवसायियों को सभी दुकानों में डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने की चेतावनी दी गई। सीएमओ ने कहा कि कचरा (गीला और सूखा) अलग-अलग कर नगर परिषद के कचरा वाहन में ही डालें। नियम न मानने पर प्रत्येक दुकान से 200 रुपए जुर्माना वसूला गया।

बाहर रखी बेंच-कुर्सियां हटाई- निरीक्षण के दौरान होटल संचालकों को होटल के बाहर रखी बेंच-कुर्सियां और अन्य सामान तुरंत हटाने के निर्देश भी दिए गए। ष्टस्ह्र ने साफ कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वच्छता बनाए रखने की अपील- मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने सभी होटल, किराना, सब्जी और फल विक्रेताओं से अपील की कि वे नियमित रूप से डस्टबिन का उपयोग करें और प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर नगर बनाने में आमजन का सहयोग जरूरी है।

सिंहस्थ अमृत मंथन के साथ ही जन सम्मेलन के लिए कर रहे आमंत्रित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर 18 जनवरी 2026 को शर्मा परिसर में सिंहस्थ अमृत मंथन का आयोजन होगा। आयोजन में संकल्प, संस्कृति और चुनौतियों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही प्रबुद्ध जन सम्मेलन भी होगा। पं. मनोज रावत ने बताया आयोजन के लिए देश और प्रदेश की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी क्रम में नंदलाल यादव, संजय अग्रवाल, आनंद खींची, जगदीश पांचाल, मुकेश यादव, योगेश सांगते, महेश चौहान आदि को आमंत्रण पत्र दिया।

14 से 18 जनवरी तक श्री महाकाल महोत्सव, शंकर-एहसान-लॉय की संगीतमय प्रस्तुति देंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में 14 से 18 जनवरी तक श्री महाकाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लोककलाएं, शास्त्रीय प्रस्तुतियां और प्रसिद्ध कलाकार संगीतमय प्रस्तुति देंगे। सभी कार्यक्रम रोज शाम 7 बजे से शुरू होंगे। महोत्सव के दूसरे दिन प्रसिद्ध संगीतकार शंकर-एहसान-लॉय प्रस्तुति देंगे।

कब क्या कार्यक्रम होंगे

- 14 जनवरी को महोत्सव का शुभारंभ जनजातीय लोकनृत्य और कला यात्राओं के साथ होगा। इस दिन गोंड जनजातीय सैला नृत्य, बैगा जनजातीय परधौनी नृत्य, भील जनजातीय भगोरिया नृत्य सहित अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियां होंगी। दिन के समय कला यात्रा के माध्यम से लोककलाओं की जीवंत झलक भी दिखाई जाएगी।
- 16 जनवरी को प्रसिद्ध गायिका सोना महापात्रा मंच संभालेंगी। उनकी सशक्त आवाज में शिव भक्ति और सूफियाना रंग दर्शकों को भावविभोर करेगा। इसी दिन कोरकू, भील और बैगा जनजातीय नृत्य दल भी अपनी पारंपरिक प्रस्तुतियां देंगे।
- 17 जनवरी को सुमधुर संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शास्त्रीय और समकालीन गायन प्रस्तुत होगा। विभिन्न कलाकार शिव भजनों और आध्यात्मिक रचनाओं के माध्यम से माहौल को भक्तिमय बनाएंगे।
- 18 जनवरी को महोत्सव का समापन शिव केंद्रित नृत्य-नाट्य प्रस्तुति के साथ होगा। कथक कली सहित अन्य शास्त्रीय नृत्य शैलियों के माध्यम से भगवान शिव के विभिन्न रूपों का मंचन किया जाएगा।

प्रकृति को संवारने में लगे नन्हे हाथ, सब्जी और पौधों का रोपण कर रहे

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● भारत स्काउट एवं गाइड यूनिसेफ द्वारा संचालित प्रोजेक्ट हरित कौशल के अंतर्गत स्काउट मास्टर भेरूलाल ओसारा के मार्गदर्शन में स्काउट दल के 16 सदस्यों द्वारा घर पर ग्रीन कार्नर का निर्माण किया गया। इस दौरान राहुल यादव, अंजली यादव, तनिषा यादव, अजय यादव द्वारा विभिन्न प्रकार की सब्जी के साथ पौधों का रोपण किया गया। रोजाना इन सदस्यों द्वारा सेवा दी जाती है।

न्यूज ब्रीफ

भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भागीरथपुरा इंदौर में आज 02 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य विभाग ने एक मजबूत रणनीति को अपनाते हुए रिंग सर्वे प्रारंभ किया है। रिंग सर्वे का आशय यह है कि भागीरथपुरा में जो भी हॉट स्पॉट मिले हैं, उनके घरों के आस-पास 50 घरों का सर्वे किया गया। रिंग सर्वे हेतु 20 टीमें क्षेत्र में कार्यरत हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार क्षेत्र में 06 एम्बुलेंस लगाई गई हैं। साथ ही क्षेत्र में 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। मरीजों को एम.व्हाय. चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है, जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहें हैं, वहॉ पर भी नि:शुल्क उपचार, जॉच एवं औषधि व्यवस्था की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि आज 02 जनवरी 2026 को 3 हजार 679 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें से लगभग 141 मरीज मिले। कल की ओपीडी में हल्के लक्षण वाले मरीजों का आज फॉलो अप किया गया, जल स्त्रोतों की मैपिंग की गई सीवरेज लाइन, ड्रेनेज लाइन और पेयजल पाइपलाइन के लिए नगर निगम और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय किया गया।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सुरक्षित पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में रेसीडेंसी कोठी में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक एवं निजी नल-जल योजनाओं, हैंडपंपों व अन्य पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

नगर निगम के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से झड़प, उठा-उठाकर पुलिस वैन में बैठाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम की लापरवाही से हुए भागीरथपुरा कांड ने पूरे प्रदेश के राजनीति में उबाल ला दिया है। कांग्रेस को फिर एक बार बड़ा मुद्दा हाथ लगा है। निगम के गेट पर यूथ कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने पहले से ही गेट बंद करा दिया था। साथ ही बैरिकेड लगाए गए थे। इंदौर के यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। इस दौरान जिलाध्यक्ष ग्रामीण विपिन वानखेड़े, पार्षद राजू भदौरिया, अमन बजाज के साथ ही कई नेता शामिल थे। इन्होंने निगम में जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पहले ही उन्हें रोक लिया। नेताओं ने पुतला जलाने की कोशिश की लेकिन उसे छीनने में भी पुलिस से भारी झड़प हुई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह कोई मौत नहीं है, बल्कि हत्याएं हैं। इसकी सजा मिलना चाहिए और दोषियों पर आपराधिक मुकद्दमा होन चाहिए। जिम्मेदारों को इस्तीफा देना चाहिए। नेताओं ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव व अन्य के इस्तीफे की मांग की।साथ ही उचित मुआवजे की मांग भी मृतक के परिजनों के लिए की गई है।

इस मामले में लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी की भी प्रतिक्रिया सामने आ चुकी है। उन्होंने इसे लेकर बीजेपी के डबल ईंजन की सरकार को घेरा है। साथ ही जिम्मेदारों के

इस्तीफे और कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी इन मौतों को हत्याएं बताते हुए जिम्मेदारों के इस्तीफे की मांग की है। साथ ही आपराधिक मुकदमा की बात की है। इसके पहले कांग्रेस ने बाणगंगा थाने में जिम्मेदारों पर एफआईआर करने की मांग के साथ आवेदन दिया था।

इंदौर के भागीरथपुरा कांड में 15 मौत के बाद आखिरकार सीएम डॉ. मोहन यादव ने बड़ों को भी राडार पर ले लिया है। निगमायुक्त आईएएस दिलीप यादव को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा। साथ ही आईएएस अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया हटाने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही नगर निगम में 17 साल से प्रतिनियुक्ति पर जमे और लगातार जल वितरण काम देख रहे कार्यपालन इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव से भी काम वापस लिया जाएगा। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में तीन अपर आयुक्तों की नई नियुक्ति आदेश जारी हो जाएंगे।

वर्षों पहले ही हो गया था दूषित जल का खुलासा

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने निगम को 3 बार लिखे पत्र, लेकिन ध्यान नहीं दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित जल से एक बाद एक मौत होने लगी। इसके बाद नगर निगम सहित अन्य जिम्मेदार विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि जागे। जबकि वर्षों पहले ही इसका खुलासा हो गय था कि यहां का पानी पीने योग्य नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 59 जगहों पर दूषित पानी के लिए निगम को तीन पत्र लिखे। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शहर के 60 में से 59 जगहों का पानी पीने के लायक नहीं था। इसके बावजूद न तो नगर निगम ने कोई कदम उठाया, और न ही जिम्मेदार लोगों ने समय रहते इसे ठीक करने की कोशिश की। इन इलाकों में भागीरथपुरा भी शामिल था। पीसीबी की यह रिपोर्ट 2016-17 और 2017-18 में लिए गए पानी के सैंपलों पर आधारित थी। इसकी जांच रिपोर्ट 2019 में सामने आई थी। प्रशासन को कम से कम 6-7 साल पहले यह जानकारी मिल चुकी थी। शहर के अधिकांश इलाकों में लोग साफ नहीं, बल्कि दूषित पानी पी रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बस रिपोर्ट जारी कर अपनी जिम्मेदारी नहीं

निभाई। 2022 तक इंदौर नगर निगम को तीन बार पत्र लिखकर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि इन इलाकों का पानी बिना उपचार किए इस्तेमाल करना खतरनाक है। जब नगर निगम ने इन चेतावनियों को भी नजरअंदाज कर दिया, तब पीसीबी के क्षेत्रीय कार्यालय ने कदम उठाया। उन्होंने सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड, भोपाल को भी इस गंभीर स्थिति से अवगत कराया। इसके बावजूद न तो जल आपूर्ति बंद हुई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई और न ही दूषित स्रोतों को सील किया गया। आज जब भागीरथपुरा में मौतें हो रही हैं, तब यह सवाल उठना लाजिमी है। उस वक्त कार्रवाई होती, तो क्या यह जानलेवा स्थिति टाली नहीं जा सकती थी? पीसीबी की जांच में पानी के सैंपलों में टोटल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाया गया था। यह वही बैक्टीरिया है जो आमतौर पर सीवरेज और गंदे पानी में पनपता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे डायरिया, पेट दर्द, उल्टी और गंभीर आंतों के संक्रमण होते हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। जांच में कुछ चौंकाने वाला मामला सामने आया। जिन इलाकों से सैंपल लिए गए थे, वे या तो कान्ह नदी के आसपास थे या सीवेज लाइनों के बेहद करीब स्थित थे। गंदा पानी भूमिगत जलस्त्रोतों में मिलकर सीधे लोगों के घरों तक पहुंच रहा था। पीसीबी की रिपोर्ट में ये सामने आया था कि भागीरथपुरा की गलियां, खातीपुरा, रामनगर, खजराना रोड और आसपास के इलाकों का पानी पीने लायक नहीं है। इसके अलावा, सांवेर रोड, परदेशीपुरा, जूनी इंदौर, निरंजनपुर, सदर बाजार और बड़ा गणपति इलाके का पानी भी पीने के लिए सुरक्षित नहीं है। भागीरथपुरा में हो रही मौतें सिर्फ एक इलाके की त्रासदी नहीं हैं। पूरे इंदौर के लिए चेतावनी हैं। यह प्रशासनिक लापरवाही, जिम्मेदारी से भागने और समय पर फैसले न लेने का नतीजा है। सवाल यह नहीं कि रिपोर्ट कब आई थी, सवाल यह है कि उस रिपोर्ट पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई, तो अगला भागीरथपुरा कहां होगा?

उमा भारती ने अपनी ही पार्टी के नेताओं को घेरा, राहुल-खड़गे सरकार पर हुए हमलावर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में शुक्रवार को राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार को इसके लिए दोषी बताया है। राहुल गांधी ने कहा है कि इंदौर में पानी नहीं जहर बंटा। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती ने भी अपनी ही पार्टी के नेताओं को घेरा है।

उमा उमा भारती ने एक के बाद एक, एक्स हैंडल पर तीन पोस्ट कीं। लिखा- यह कौन कह रहा है कि हमारी चली नहीं। जब आपकी नहीं चली तो आप पद पर बैठे हुए बोतल बंद पानी क्यों पीते रहे। पद छोड़कर जनता के बीच क्यों नहीं पहुंचे। ऐसे पापों का कोई स्पष्टीकरण नहीं होता। या तो प्रायश्चित या दंड। उन्होंने लिखा है कि साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुईं मौतें हमारा प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गई हैं। जिंदगी की कीमत दो लाख रुपये नहीं होती। नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं, उन्हें अधिकतम दंड देना होगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पोस्ट करके लिखा है कि इंदौर में पानी नहीं जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की, फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? यह 'फोकट' सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि कहीं सीरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। राज्य सभा सदस्य विवेक तनखा ने कहा कि मध्य प्रदेश मौत का मंजर बनता जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज हैं।

प्रदेश स्टार्टअप समिट व इकोसिस्टम अवार्ड्स 11 और 12 जनवरी को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026 का आयोजन 11 और 12 जनवरी 2026 को रवीन्द्र भवन भोपाल में होगा। यह आयोजन प्रदेश में स्टार्टअप एवं नवाचार इकोसिस्टम को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय पहल के रूप में होगा। इस समिट का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) विभाग द्वारा किया जा रहा है। इससे राज्य में उद्यमिता, नवाचार एवं समावेशी आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। इस आयोजन की परिकल्पना मध्यप्रदेश को एक वैश्विक स्टार्टअप गंतव्य के रूप में स्थापित करने के महत्वपूर्ण कदम के रूप में की गई है।

समिट का उद्देश्य एवं महत्व- समिट का उद्देश्य स्टार्टअप्स, निवेशकों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के लीडर, शैक्षणिक और वित्तीय संस्थानों तथा शासकीय विभागों के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है जिससे नवाचार आधारित उद्यमशील विकास को गति दी जा सके। वर्तमान में मध्यप्रदेश में एक सशक्त एवं समावेशी स्टार्टअप इकोसिस्टम विद्यमान है, जिसमें लगभग 6,344 DPIIT-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स शामिल हैं। इनमें लगभग 3,023 स्टार्टअप्स महिलाओं के नेतृत्व वाले हैं। यह इकोसिस्टम 100 से अधिक इनक्यूबेटर्स के मजबूत संस्थागत ढांचे द्वारा समर्थित है। आयोजन एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत करेगा, संरचित नीतिगत विमर्श एवं स्टार्टअप-निवेशक संवाद को सक्षम बनाएगा तथा एमपी स्टार्टअप इकोसिस्टम अवार्ड्स 2026 के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करेगा। उद्घाटन सत्र के दौरान 'स्टार्टअप सक्सेस स्टोरीज़ कंपेंडियम' का विमोचन भी किया जाएगा, जिसमें राज्य के उल्लेखनीय स्टार्टअप्स की सफल कहानियाँ सम्मिलित होंगी और यह भावी उद्यमियों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करेगा।

पहले दिन की गतिविधियां- एमपी स्टार्टअप समिट 2026 के दो दिवसीय आयोजन के रूप में नियोजित किया गया है, ताकि सभी इकोसिस्टम हितधारकों की सार्थक एवं परिणामोन्मुखी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। पहला दिन 11 जनवरी 2026 को इकोसिस्टम सुदृढ़ीकरण एवं प्रारंभिक चरण के निवेश संवाद पर केंद्रित होगा। इसमें इनक्यूबेटर सस्टेनेबिलिटी पर मास्टरक्लास, एग्री एफपीओ को स्टार्टअप के रूप में विकसित करने पर विषयगत चर्चा, स्टार्टअप पिचिंग का क्वालिफायर राउंड तथा निवेशकों एवं इकोसिस्टम लीडर्स के साथ क्लोज्ड-डोर नेटवर्किंग डिनर होगा।

दूसरा दिन 12 जनवरी 2026 को रणनीतिक सहभागिता, मान्यता एवं सेक्टर-विशिष्ट ज्ञान साझा करने पर केंद्रित रहेगा।

वर्तमान से लेकर पूर्व आईएएस आईपीएस-अधिवक्ता से पत्रकार तक सूचना आयुक्त बनने की दौड़ में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के तीन पदों के लिए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ कई सेवानिवृत्त अधिकारी भी दौड़ में हैं। इन पदों के लिए कुल 185 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा काफ़ी कड़ी हो गई है। सूचना आयुक्त के रिक्त पदों पर आवेदन करने वालों में आठ सेवानिवृत्त आईएएस, तीन आईपीएस, तीन आईएफएस, 17 प्रशासनिक अधिकारी, 32 अधिवक्ता तथा 51 पत्रकारों समेत अन्य लोग शामिल हैं। सूत्रा बताते हैं कि आवेदन करने वाले आईएएस अधिकारियों में संजय मिश्रा और वंदना वैद्य शामिल हैं। दोनों ने अपने वर्तमान पदों से हटकर सूचना आयुक्त बनने की इच्छा जताई है। वहीं सेवानिवृत्त आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी मैदान में हैं, जिसमें जीपी सिंह और मुकेश जैन ने आवेदन किया है। इसके अलावा पवन श्रीवास्तव, जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो सेवानिवृत्त आईएएस, अधिकारियों में संजय गुप्ता, वीरेन्द्र सिंह रावत, नरेश पाल, राजेश कौल, रवीन्द्र सिंह और श्रीनिवास शर्मा के नाम शामिल हैं। अन्य प्रशासनिक सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी भी इस पद के लिए आवेदन कर चुके हैं। साथ ही संघ से जुड़े कुछ लोगों ने भी अपने आवेदन भेजे हैं। जानकारी के अनुसार सूचना आयुक्तों के चयन में भाजपा संगठन और संघ की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। यही कारण है कि कई आवेदक संघ के माध्यम से लॉबिंग कर रहे हैं। राज्य सूचना आयोग के इन अहम पदों के लिए चयन प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। नए साल में राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्तियां होंगीं।

लेखाजोखा बेकायदा वाहन चलाने वालों को सुधारने के लिए कितने किए जतन, सुबह-शाम हर चौराहे पर ट्रैफिक जाम बन गया शहर की पहचान

नहीं सुधर रहे इंदौर के लोग... हम सुधरेंगे तो ट्रैफिक सुधरेगा, पर कब होगा ये संभव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की सबसे बड़ी समस्या है ट्रैफिक, प्रतिदिन हर चौराहे पर ट्रैफिक का कबाड़ा होता है। इसके लिए वाहनों की बढती संख्या के साथ ही लोगों का ट्रैफिक नियम की अनदेखी करना भी सामने आता है। रेड सिग्नल तोड़ना फैशन बनता जा रहा है। छोटे हों या बड़े वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग भी धडल्ले से किया जाता है। माना जाता है कि यदि ट्रैफिक नियमों का पालन करते वाहन चलाएं जाएं तो गंभीर हादसों पर ब्रेक लग सकता है। ट्रैफिक पुलिस अपने स्तर पर लोगों को जागरुक करने के प्रयास कर रही है। बीते वर्ष ट्रैफिक जागरुकता के सैकड़ों कार्यक्रम चलाए गए। उसके बाद भी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं तब दोष किसका..? ट्रैफिक विभाग के अफसर भी कहते हैं कि लोगों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरुकता आ जाए तो ट्रैफिक जाम, हादसों पर ब्रेक लग सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि हम सुधरेंगे तो ट्रैफिक सुधरेगा।

बीते वर्ष क्या-क्या किया ट्रैफिक पुलिस ने: शहर के सुगम, सुरक्षित यातायात एवं नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात जोन 4 आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस ने 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर

2025 तक व्यापक स्तर पर जन. जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। ट्रैफिक पुलिस ने स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों, शासकीय. अशासकीय कार्यालयों, औद्योगिक इकाइयों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर निरंतर संवाद स्थापित कर यातायात संबंधी दिशा निर्देशों, नियमों और सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व से अवगत कराया।

2025 में 184 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों से 43,431 नागरिकों तक यातायात पुलिस प्रत्यक्ष रूप से पहुँची। हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव, मोबाइल का उपयोग न करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, सिग्नल अनुशासन जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं एवं स्टूडेंट्स को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की दिशा में संवादात्मक सत्र, प्रेजेंटेशन, डेमो एवं प्रश्न. उत्तर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। यातायात डिजिटल स्क्रीन रथ, वाहन रैली, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, ट्रैफिक पार्क भ्रमण, स्कूलों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर लाखों लोगो को सडक सुरक्षा जीवन रक्षा का महत्व समझाया।

जरुरतमंदों को एक हजार हेलमेट-दो माह में 11 हेलमेट वितरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पुलिस कमिश्नर व वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 1000 से अधिक हेलमेट जरूरतमंद वाहन चालकों को प्रदान कर हेलमेट पहनें. सुरक्षित रहें अभियान से नागरिकों को जोड़ा। सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर आधारित 11 शॉर्ट फिल्म, वीडियो बनाई गई जिसे स्कूल, कॉलेज, मॉल, संस्थानों में प्रदर्शित कर जनमानस को जागरूक किया जाएगा।

ट्रैफिक प्रहरी अभियान-2545 लोग दे रहे सेवा

यातायात व्यवस्था में आम जनमानस की सहभागिता के लिए 25 अक्टूबर 2025 को ट्रैफिक प्रहरी अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान को जिम्मेदार नागरिकों द्वारा सराहा गया और अभियान से जुड़कर 2545 ट्रैफिक प्रहरियों ने शहर के चौराहों पर अपनी सेवाएं प्रभावी रूप से दी। उत्कृष्ट सेवा देने वाले ट्रैफिक प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर द्वारा प्रति मंगलवार सम्मानित किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 22 सितंबर को 7049107620 जारी किया गया। ट्रैफिक हेल्पलाइन शुरू होने से लेकर दिसम्बर 2025 तक 1474 शिकायत प्राप्त हुई जिनमे से 1452 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया है, शेष 22 शिकायतों पर भी कार्यवाही की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।